भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1490

शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

झारखंड में खनिज आधारित उद्योग और निर्यात संवर्धन

1490. श्रीमती महुआ माजी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने झारखंड में खनिज आधारित उद्योगों, औद्योगिक गलियारों और निर्यातोन्मुखी विनिर्माण इकाइयों के विकास की प्रगति का आकलन किया है;

(ख) यदि हाँ, तो विगत पाँच वर्षों के दौरान झारखंड में निर्यात संवर्धन हेतु स्वीकृत औद्योगिक परियोजनाओं, निवेश प्रस्तावों और प्रदान की गई केन्द्रीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार झारखंड में मूल्य संवर्धन आधारित उद्योगों और निर्यातोन्मुखी औद्योगिक क्लस्टरों के विकास हेतु कोई विशेष नीति अथवा प्रोत्साहन पैकेज लागू करने पर विचार कर रही है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): भारत सरकार ने निर्यातोन्मुख इकाई (ईओयू), अर्थात् मेसर्स सीआर एडवांस्ड मैटेरियल्स प्राइवेट लिमिटेड, मंझिलाडीह, गादी श्रीरामपुर, गिरिडीह (झारखंड) को सिलिको मैंगनीज, एंथ्रासाइट कोयला (क्रश किया गया/आकार दिया गया), फेरो मैंगनीज, फेरो सिलिकॉन के विनिर्माण और निर्यात के लिए अनुमति पत्र प्रदान किया है। इस इकाई में प्रस्तावित निवेश (भूमि, भवन, संयंत्र और मशीनरी) 257.72 करोड़ रुपए का है, जिसके तहत 05 वर्षों में 2826.37 करोड़ रुपए का निर्यात प्रस्तावित है। इसके अलावा, वर्ष 2015 में नीलामी व्यवस्था की शुरुआत के बाद से झारखंड राज्य में कुल 11 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है, जिनमें से 3 ब्लॉक वर्तमान में सक्रिय हैं।

(ग): भारत सरकार विशेष इस्पात के लिए 6,322 करोड़ रुपए के परिव्यय से वर्ष 2023-24 से 2027-28 तक पांच वर्षों के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन

(पीएलआई) स्कीम लागू कर रही है। राज्य में वर्ष 2021-22 में 85.12 मिलियन टन की संचयी स्थापित क्षमता वाली 102 इस्पात इकाइयां थीं। वर्ष 2025-26 तक, इकाइयों की संख्या बढ़कर 123 हो गई, जबकि पिछले पांच वर्षों में संचयी स्थापित क्षमता बढ़कर 100.32 मिलियन टन हो गई।

*****